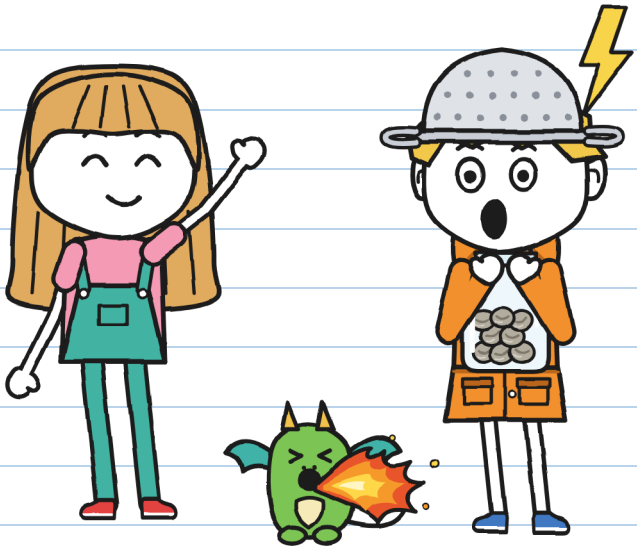
नामुमकिन डिलीवरी · 2

बादल गरजने से पहले न खोलें

Lui Eriksson



(गुनी की डायरी)

साइज M
मध्यम स्तर · 9+

नामुमकिन डिलीवरी · 2
बादल गरजने से पहले न खोलें

लेखन और चित्र: Lui Eriksson

साइज़ M · मध्यम स्तर · 9+

हिन्दी संस्करण: LinguAula

पहला संस्करण: 2026

© 2026 Lui Eriksson · info@linguaula.com

कक्षा और घर के लिए खुलकर फ़ोटोकॉपी कर सकते हैं।

सीरीज़ की दूसरी किताब। पहली: "यह पार्सल काटता है"।

LinguAula

हर अध्याय का अभ्यास linguaula.com पर करो

इस किताब को लिखने के दौरान किसी भी गरज को चोट नहीं पहुँची। –ज.



और किसी और की नहीं। –ज.

अगर यह तुम्हें मिल जाए, तो बादल गरजने से पहले मत खोलना।

सिर्फ़ कहानी में

यह मुहर उसे चिह्नित करती है जो सिर्फ़ कहानी में होता है: तुम इसे मत करना। अगर वह कई पन्नों तक चले, तो "यहाँ से" और "यहाँ तक" लिखा होता है। असली तूफ़ान हो, तो पेज 76 देखो। –ज.

कौन कौन है



गुनी। शनिवार का डिलीवरी बॉय। तूफ़ान का शिकारी (कुछ-कुछ)। यह डायरी उसी की है।



जूलिता। बिजली चमकने और बादल गरजने के बीच के सेकंड गिनती है। हरे रंग से लिखती है और "ज." से दस्तख़त करती है।



चूरा। ड्रैगन की बच्ची। गुनी की हर बात की नक़ल उतारती है। हर बात की।



टोन्यो। साइकिल पर "बिजली" के लिए डिलीवरी करता है। दस मिनट में या मुफ़्त।



फ़्लोरा। नहर वाली सड़क, १ की बाग़बान। पत्थरों के लिए दस्तख़त नहीं करतीं।



वेरा। ड्रैगनों के घर में ड्रैगनों की देखभाल करती है, जो फ़्लोरा के घर के बग़ल में है। चूरा उन्हीं के साथ रहती है।



मारा। नामुमकिन डिलीवरी की मालकिन। जादूगरनी वाली टोपी पहनती है। जितना बताती है, उससे ज़्यादा जानती है।



R. की तरफ़ से वे पार्सल भेजे जाते हैं जिन्हें कोई नहीं पहुँचा पाता। कोई उसका नाम नहीं लेता।

डिलीवरी डायरी 2
गुनी की

ऑफ़िशियल।

"ऑफ़िशियल" का मतलब है कि इसे पहले मैं पढ़ूँगी। ऑफ़िशियली। –ज.



डायरी नंबर 1 मेरी ख़त्म हो गई; वह पूरी भर चुकी है। यह नई डायरी मुझे मारा ने दी, जो दुकान की मालकिन हैं, और इसके कवर पर उनकी मुहर लगी है। उनका कहना है कि ऑफ़िशियल डायरियों में चित्र नहीं बनाए जाते। देखते हैं।

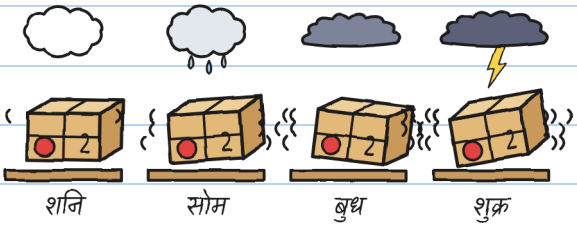
अध्याय 1

तूफ़ान का शिकारी

मारा की दुकान में एक पार्सल काँप रहा है। पिछले शनिवार से, हर दिन थोड़ा ज़्यादा।
मैं इसे हाथ नहीं लगाने वाला।
जो आख़िरी पार्सल जूलिता और मैंने पहुँचाया था, वह एक अंडा था। अब वह चूरा है, ड्रैगन की एक बच्ची, जो मेरी हर बात की नक़ल उतारती है।

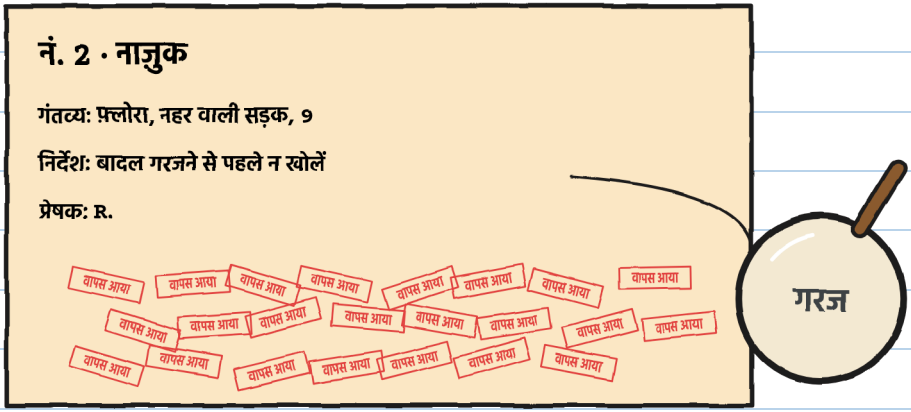
मेरे घर के सामने वाली दुकान में उन्नीस वापस आए पार्सल बाक़ी हैं। जो पार्सल काँप रहा है, उसे बाक़ियों से ज़्यादा जल्दी है।

थरथर-मीटर
नं. 2 का



यह डर से नहीं काँप रहा: शनिवार को शाम छह बजे तूफ़ान आने वाला है। मैंने मौसम की ख़बर में छह बार देखा है। –ज.

वापस आए पार्सल को पाने वाले को लेबल पर कभी न मिटने वाली स्याही से दस्तख़त करने पड़ते हैं, जैसी जूलिता के हरे मार्कर की है। वरना सुबह होते ही वह उड़कर अपने शेल्फ़ पर लौट आता है। इन सबको एक ही व्यक्ति ने भेजा है: R.



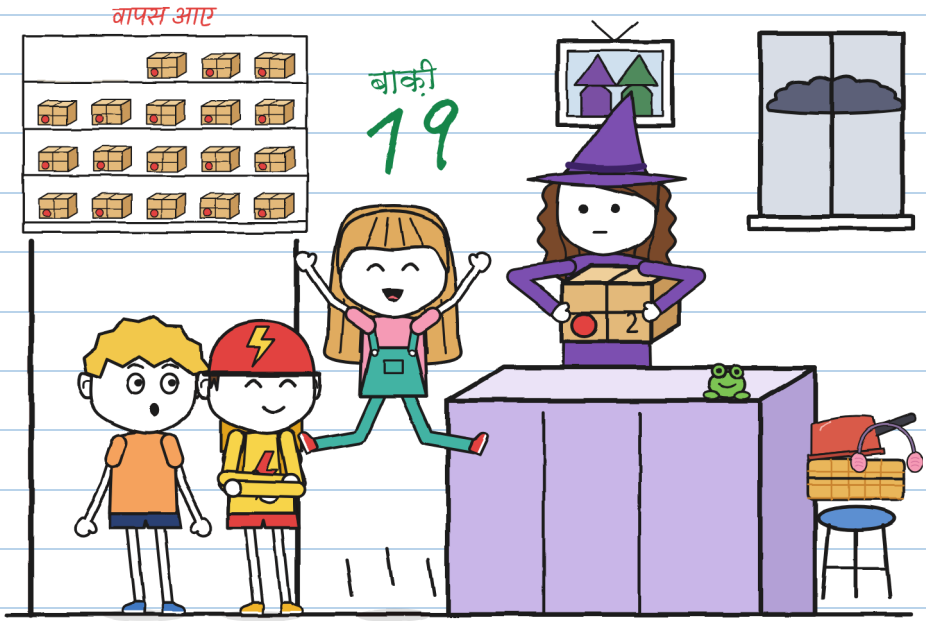
नं. 2 पर तेईस "वापस आया" की मुहरें लगी थीं।

तेईस। मैंने दो बार गिना है। –ज.

"तेईस बार मैं इसे ख़ुद लेकर गई हूँ," मारा ने कहा। "और एक बार भी तूफ़ान में नहीं।"

शनिवार को दस बजे मारा काउंटर पर नं. 2 के साथ हमारा इंतज़ार कर रही थीं। टोन्यो वहाँ पहले से था: हर शनिवार हम तीनों की दुकान में सज़ा होती है, क्योंकि हमने नं. 1 बिना इजाज़त के पहुँचा दिया था।

"यह वाला," मारा ने कहा, "तुम लोग ही पहुँचाओगे। आज शाम।"

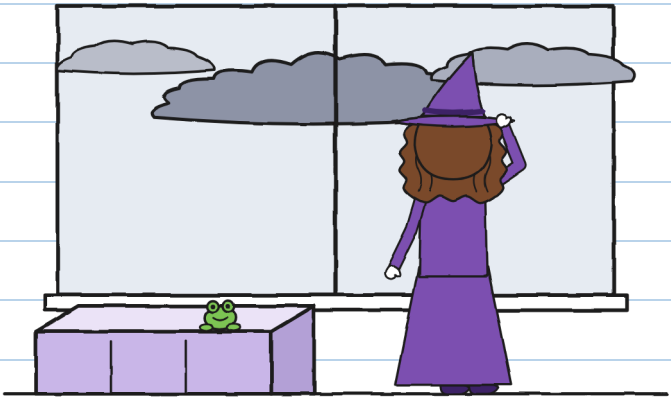


जूलिता इतना उछली कि "बाक़ी 19" के बोर्ड को लगभग छू लिया।

मारा ने तीन शर्तें रखीं और उन्हें उँगलियों पर गिनाया:

1. *तुम लोग पाँच बजे, तूफ़ान से पहले, निकलोगे और उसके गुज़रने तक फ़्लोरा के पास रहोगे।*
2. *तुम्हारे घर वालों और फ़्लोरा को पहले से पता है।*
3. *नियम वही है जो लेबल पर लिखा है: बादल गरजने से पहले न खोलना। और ठीक ऊपर वाली गरज गिनी जाएगी, दूर वाली नहीं।*

"और आप नहीं आ रहीं?" जूलिता ने पूछा।
"मुझे यहाँ कुछ काम हैं," मारा ने कहा और खिड़की से बाहर देखा: आसमान स्लेटी हो रहा था।

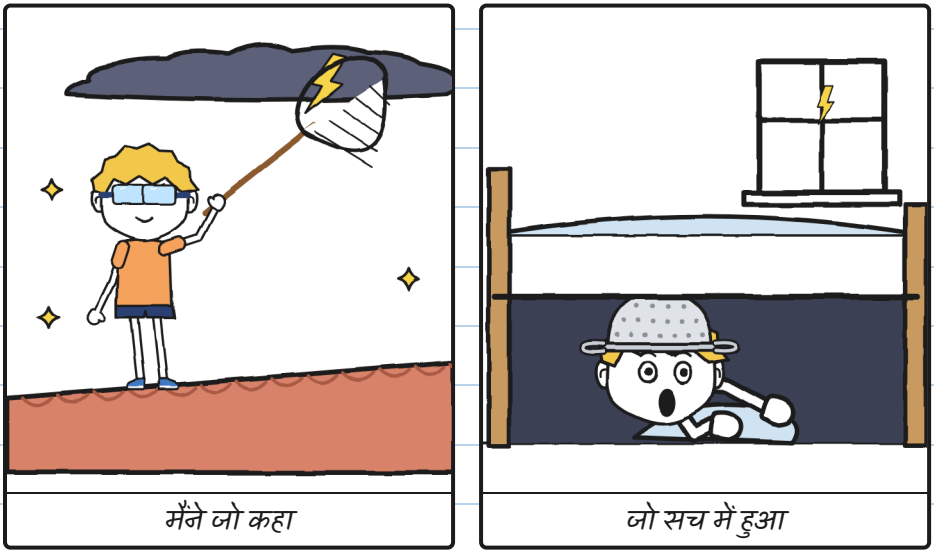


कौन-से काम? –ज.

जूलिता ने मेरी ओर देखा।
"तुम्हें तूफ़ान पसंद हैं?"

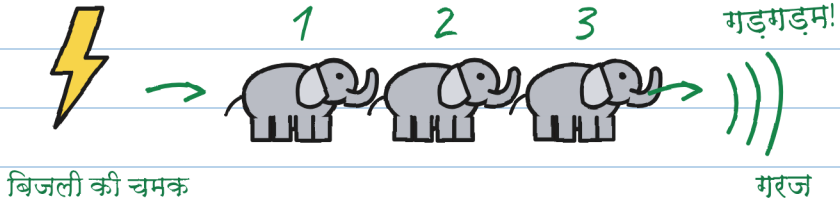
और मैंने वही कहा जो ऐसे देखे जाने पर सब कह देते हैं:

"बहुत पसंद हैं। अपने पुराने मोहल्ले में मैं प्रोफेशनल तूफ़ान का शिकारी था।"



पलंग के नीचे का प्रोफेशनल। –ज.

जूलिता ने मुझे मेरी डायरी में तूफ़ान गिनना सिखाया, बिना इजाज़त, हमेशा की तरह:



एक हाथी, दो हाथी, तीन हाथी...

1 हाथी = 1 सेकंड

3 हाथी = 1 किलोमीटर (लगभग)

0 हाथी = ठीक ऊपर!

↖ यह लेबल वाली गरज है।
दूर वाली गरज पार्सल नहीं खोलती।

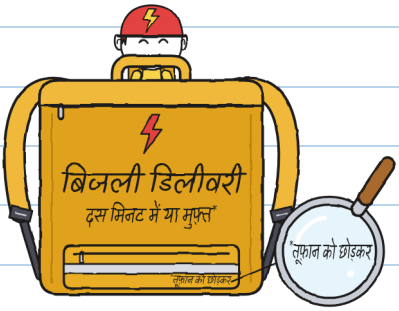
ज़्यादा हाथी: वह बिजली और दूर गिरी।

अगर तुम्हें गरज सुनाई दे, चाहे दूर ही क्यों न हो: अंदर चलो!

जो पता हो, उससे कम डर लगता है। –ज.

मुझे गिनने की ज़रूरत नहीं थी: मुझे तो तूफ़ान बहुत पसंद हैं। फिर भी मैंने लिख लिया, कहीं काम आ जाए।

टोन्यो ने मेरे कंधे के ऊपर से लेबल पढ़ा।
"'बिजली' तूफ़ान में डिलीवरी नहीं करती।"
उसने बैग पर छपे छोटे अक्षर दिखाए।
"अभी तूफ़ान नहीं है," जूलिता ने कहा।
टोन्यो ने उन्हें फिर से पढ़ा। "अभी" के बारे में कुछ नहीं लिखा था।

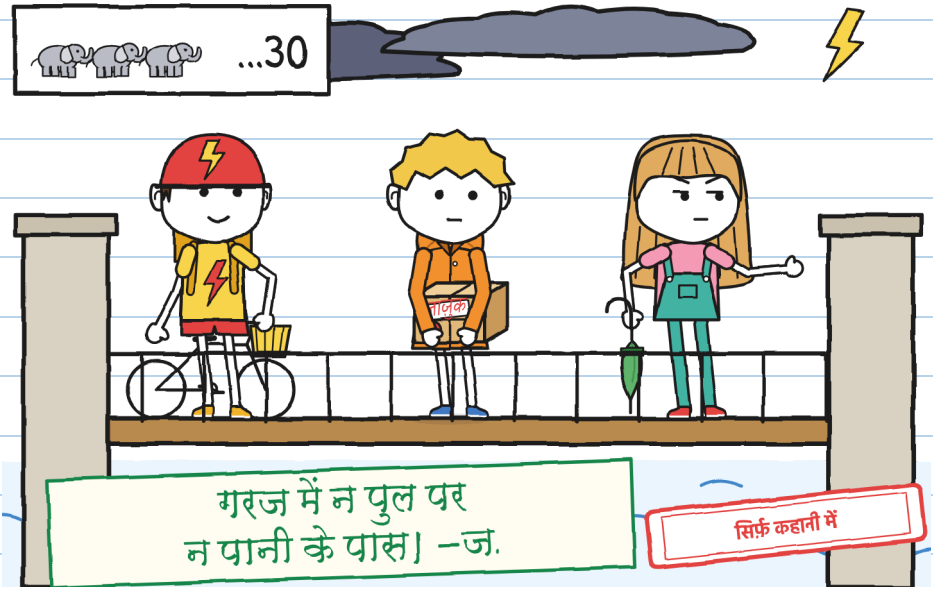


छोटे अक्षर बहुत ही छोटे थे। –ज.

और वह हमारे साथ चल पड़ा।
पाँच बजे मैं रेनकोट लेने घर गया।
"नारंगी वाला पहन लो," मेरी मम्मी ने कहा। "पक्का जाना है?
तुम तो जब बादल गरजते हैं..."
"बाय, मम्मी!"

"तुम तो जब बादल गरजते हैं..." क्या? –ज.

हमने बड़ा पुल पार किया, जबकि आसमान बहुत काला हो चुका था। रात को उसे जहाज़ों के लिए उठा देते हैं। बीच में जूलिता ने बहुत गंभीर चेहरा बनाकर पानी की ओर हाथ हिलाया: नहर और उसकी बनती नहीं।



बहुत दूर आसमान चमक उठा। जूलिता ने गरज तक तीस हाथी गिने।

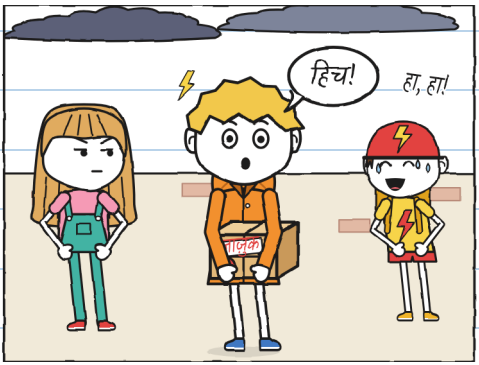
गड़गड़म।

"उस बिजली तक करीब दस किलोमीटर," उसने कहा। "ख़बर के हिसाब से तूफ़ान छह बजे के आसपास आएगा।"

"बादल गरजा!" टोन्यो बोला। "अब खोलें?"

“यह वाली गरज पार्सल नहीं खोलती,” जूलिता ने कहा: “लेबल वाली गरज वह है जो बिजली की चमक के साथ ही आए, शून्य हाथी। पर यह अब सुनाई दे रही है, और वही काफ़ी है: अंदर चलो!” हम नहर वाली सड़क तक भागे। मैंने बहरा बनने का नाटक किया।

“क्या यह हिच थी?” जूलिता ने पूछा।
“नहीं,” मैंने कहा। “हिच!”



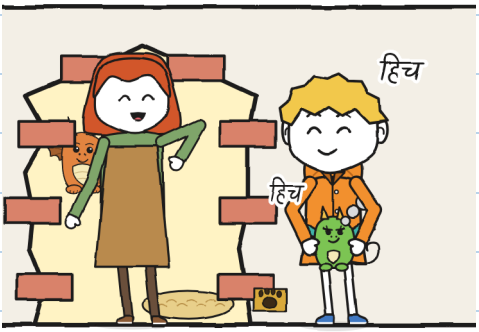
यह मुझे बचपन से होता है, पर सिर्फ़ गरज पर: हर गरज पर हिचकियों की झड़ी, हर तीन सेकंड में एक। तूफ़ान सिर पर हो तो रुकती नहीं। यह डर नहीं है: मेरा शरीर मुझसे पूछे बिना ऐसा करता है।

इसे डर कहते हैं। –ज.

ड्रैगनों की देखभाल करने वाली वेरा अपने दरवाज़े पर, जो फ़्लोरा के दरवाज़े से सटा है, हमारा इंतज़ार कर रही थीं, गोद में चूरा को लिए: शनिवार को चूरा मेरे साथ घूमने जाती है।

"आज सिर्फ़ फ़्लोरा के घर तक: यह उसका पहला तूफ़ान है," वेरा ने कहा और उसे मुझे दे दिया। "यह तुम्हारी हर बात की नक़ल उतारती है, जो तुम महसूस करते हो उसकी भी। अगर यह डर जाए, तो इसे खींचना मत: यह पकड़ लेती है। तूफ़ान गुज़र जाए, तो आँगन की दीवार पर तीन बार थपथपाना, मैं इसे लेने आ जाऊँगी।"

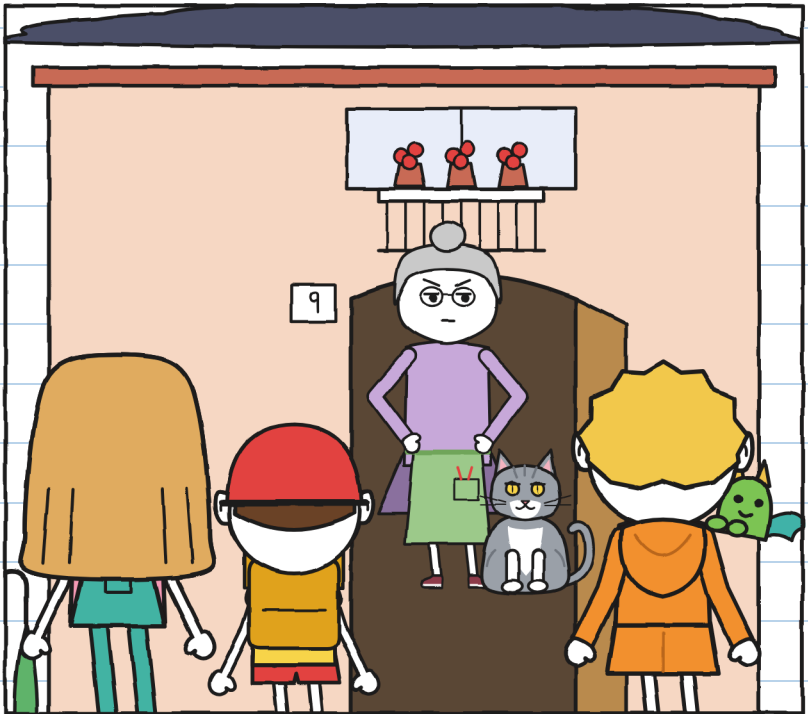
"मुझे कुछ महसूस नहीं होता," मैंने कहा। "मुझे तो तूफ़ान बहुत पसंद है।"



दूर कहीं बादल गरजा। मैंने हिच किया। चूरा ने हिच किया और उसकी नाक से धुआँ निकला।

"अंदर चलो, अभी!" वेरा ने कहा।

फ़्लोरा का घर वही है जिसकी बालकनी में गमलों के फूल खिले हैं। दो शनिवार पहले वे उसी बालकनी से हमें देख रही थीं, जब हम ड्रैगनों के घर का दरवाज़ा ढूँढ रहे थे, जो दीवार जैसा दिखता है।



फ़्लोरा ने हमारे दस्तक देने से पहले ही दरवाज़ा खोला और डिब्बे को, आसमान को और चूरा को देखा।
"यह वेरा की बच्ची है। देखना, मेरे फ़र्न न झुलसा दे," उन्होंने कहा। "आ जाओ अंदर, पानी आने वाला है। और बता दूँ: मैं पत्थरों पर दस्तख़त नहीं करती।"

एक कहानी, छह साइज़

इसके छह साइज़ हैं, 3 से 16 साल तक, और 20 से ज़्यादा भाषाएँ। XXS, XS, S, M और L में वही पन्ने और वही चित्र हैं। XL एक उपन्यास है। बदलता बस इतना है कि कहानी कैसे सुनाई जाती है।

साइज़ XXS · PRE-A1
लूलिता सातवाँ बीज पकड़ लेती है।

साइज़ XS · A1
फ़र्श पर एक बीज बचा था। लूलिता ने उसे पकड़ लिया। सात।

साइज़ S · A2
फिर बिजली चमकी: फ़र्श पर सिर्फ़ एक बीज बचा था। लूलिता ने उसे पकड़ लिया। सात।

साइज़ M · B1
अगली चमक में सिर्फ़ एक बीज बचा था, और लूलिता ने उसे पकड़ लिया। सात।

साइज़ L · B2
जब बिजली फिर चमकी, तो फ़र्श पर सिर्फ़ एक बीज बचा था, और लूलिता ने उसे पकड़ लिया। सात।

साइज़ XL · B2–C1
सचित्र उपन्यास · 13+
CEFR के स्तर केवल मार्गदर्शन के लिए हैं।

हर कोई अपने साइज़ में। तूफ़ान वही। —ज.

परिवारों और शिक्षकों के लिए

हर अध्याय का अभ्यास linguaula.com पर करो